डा. ए. के. सिंह
प्रबन्ध निदेशक

Dr. A. K. Singh
Managing Director

राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड
National Horticulture Board
कृषि सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग
Department of Agriculture, Cooperation & Farmers Welfare
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार
Ministry of Agriculture & Farmers Welfare, Govt. of India

सन्देष

मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि उत्तराखण्ड राज्य में **उद्यान विभाग, उत्तराखण्ड** द्वारा **'राज्य बागवानी मिषन'** के अन्तर्गत षीतोश्ण फल सेब को प्रोत्साहित करने हेतु दो दिवसीय राश्ट्रीय सेब महोत्सव (संगोश्ठी एवं प्रदर्षनी) का आयोजन दिनांक 17 व 18 सितम्बर, 2016 को देहरादून में आयोजन किया जा रहा है। संगोश्ठी में विभिन्न प्रदेषों के वैज्ञानिकों/अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया जायेगा तथा उनके द्वारा दिये जाने वाले व्याख्यानों का समावेष इस अवसर पर प्रकाषित की जाने वाली स्मारिका में किया जा रहा है। राश्ट्रीय बागवानी बोर्ड द्वारा भी औद्यानिकी के विकास हेतु विभिन्न योजनाएँ संचालित की जा रही हैं, जिनकी जानकारी संगोश्ठी में प्रतिभाग करने वाले समस्त प्रतिभागियों को भी प्रदान की जायेगी।

मुझे विष्वास है कि राश्ट्रीय संगोश्ठी में विभिन्न प्रदेषों के अधिकारियों/वैज्ञानिकों द्वारा सेब की विभिन्न गतिविधियों की नवीनतम तकनीकों की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की जायेगी, जिससे देष में सेब उत्पादन में गुणात्मक वृद्धि सम्भव हो सकेगी।

मैं इस राश्ट्रीय संगोश्ठी एवं प्रदर्षनी के आयोजनकर्ताओं को उनके सफल प्रयास हेतु षुभकामनायें देता हूँ।

15.9.16

(ए0के0 सिंह)

Plot No. 85, Sector-18, Institutional Area, Gurgaon-122015
Phone: 0124 - 2342992 | Fax: 0124 - 2342991 | E-mail: md@nhb.gov.in | Web: www.nhb.gov.in

डा. के. के. पाल
राज्यपाल, उत्तराखण्ड

सत्यमेव जयते

राजभवन
देहरादून - 248 003

02 सितम्बर, 2016

सन्देष

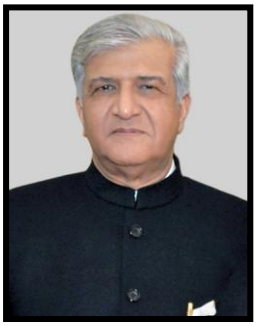

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि **उद्यान विभाग** द्वारा **''राज्य बागवानी मिषन''** के अन्तर्गत दिनांक 17 व 18 सितम्बर, 2016, देहरादून में षीतोश्ण फल सेब को प्रोत्साहित करने की दृश्टि से दो दिवसीय राश्ट्रीय संगोश्ठी एवं प्रदर्षनी का आयोजन किया जा रहा है।

आषा है कि इस संगोश्ठी एवं प्रदर्षनी के माध्यम से उत्तराखण्ड एवं अन्य राज्यों के सेब उत्पादकों के साथ–साथ विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी भी सेब से सम्बन्धित नवीनतम विकसित तकनीकों से लाभान्वित होंगे।

मुझे विष्वास है कि इस अवसर पर प्रकाषित होने वाली स्मारिका में सेब के उत्पादन, प्रबन्धन, विपणन तथा प्रसंस्करण से सम्बन्धित आधुनिक तकनीक पर आधारित लेख सहज व सरल भाशा में प्रस्तुत कर स्मारिका को ज्ञानवर्धक, उपयोगी और संग्रहणीय बनाया जायेगा।

मेरी अपेक्षा है कि संगोश्ठी में विषेशज्ञों द्वारा सेबोत्पादन से सम्बन्धित जो नवीन लाभदायी व व्यावहारिक जानकारियॉ दी जायें, उन्हें काष्तकारों तक भी पहुॅचाकर प्रदेष में सेबोत्पादन को प्रोत्साहित किया जाए।

संगोश्ठी एवं प्रदर्षनी की सफलता के लिये मेरी हार्दिक षुभकामनाएं।

(डा0के.के.पाल)

हरीश रावत

मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सचिवालय,
देहरादून-248001
फोन : 0135-2755177 (का.)
0135-2650433
फोन : 0135-2712827

सन्देष

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि **उद्यान विभाग** द्वारा **''राज्य बागवानी मिषन''** के अन्तर्गत षीतोश्ण फल सेब को प्रोत्साहित करने हेतु दो दिवसीय राश्ट्रीय संगोश्ठी एवं प्रदर्षनी का देहरादून में आयोजन किया जा रहा है।

राज्य सरकार द्वारा आधुनिक तकनीक से नवीन प्रजातियों के सेब उत्पादन हेतु ''सेब मिषन'' वर्श 2016–17 में क्रियान्वित किया जा रहा है।

अतः इस संगोश्ठी का आयोजन सामयिक है। इस अवसर पर राज्य बागवानी मिषन द्वारा एक स्मारिका का प्रकाषन भी किया जा रहा है। स्मारिका में प्रकाषित होने वाली सामग्री सेब उत्पादकों, कृशकों, विभागीय कार्मिकों व अन्य पाठकों के लिये उपयोगी सिद्ध होगी, ऐसी आषा है।

संगोश्ठी एवं प्रदर्षनी के सफल आयोजन के लिये षुभकामनाएं।

(हरीष रावत)

प्रीतम सिंह पंवार
मंत्री
आवास, शहरी विकास, राजीव गांधी शहरी आवास,
पशुपालन, मत्स्य पालन, चारा एवं चारागाह विकास,
जेल, नागरिक सुरक्षा एवं होमगार्ड

उत्तराखण्ड सरकार

विधान भवन, देहरादून
कक्ष सं.: 121
फोन : 2666671
फैक्स : 2665855
पत्र सं. : 1623/VIP/16
दिनांक : 01/09/2016

सन्देष

अत्यन्त हर्श का विशय है कि उद्यान विभाग द्वारा राज्य बागवानी मिषन के अन्तर्गत षीतोश्ण फल सेब को प्रोत्साहित करने हेतु दो दिवसीय राश्ट्रीय संगोश्ठी एवं प्रदर्षनी का आयोजन दिनांक 17 एवं 18 सितम्बर, 2016 को किया जा रहा है। इस अवसर पर एक स्मारिका का प्रकाषन भी किया जा रहा है, जिसमें सेब के उत्पादन के क्षेत्र में अपनाई जा रही नवीनतम तकनीकों पर वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों के लेख प्रकाषित किये जायेगें। राज्य में सेब के उत्पादन एवं उत्पादकता में गिरावट को दृश्टिगत रखते हुए यह संगोश्ठी सामयिक है। इस संगोश्ठी के आयोजन से सेब के उत्पादन को नई दिषा एवं गति प्राप्त होगी।

मुझे आषा है कि इस दो दिवसीय राश्ट्रीय संगोश्ठी एवं प्रदर्षनी के माध्यम से विभिन्न प्रदेषों के प्रतिभाग करने वाले कृशकों एवं कार्मिकों को सेब के उत्पादन की नवीनतम तकनीक की जानकारी मिल पायेगी। मुझे विष्वास है कि इस अवसर पर प्रकाषित की जाने वाली स्मारिका में प्रकाषित लेखन सामग्री संगोश्ठी में भाग लेने वाले कास्तकारों, विभागीय कार्मिकों एवं अन्य पाठकों के लिये अत्यन्त उपयोगी होगी।

संगोश्ठी के भव्य सफल आयोजन एवं इस अवसर पर प्रकाषित स्मारिका हेतु हार्दिक षुभकामनाऐं।

(प्रीतम सिंह पंवार)
मंत्री, उद्यान

शत्रुघ्न सिंह
Shatrughna Singh

मुख्य सचिव
Chief Secretary

उत्तराखण्ड सचिवालय
Uttarakhand Secretariat
4, सुभाष मार्ग, देहरादून
4, Subhash Marg, Dehradun
Phone : (Off.) 0135-2712100
0135-2712200
(Fax) 0135-2712500

सन्देष

मुझे प्रसन्नता है कि उद्यान विभाग द्वारा राज्य बागवानी मिषन के अधीन षीतोश्ण फलों के अन्तर्गत सेब को प्रोत्साहित करने हेतु दो दिवसीय सेब संगोश्ठी एवं प्रदर्षनी का दिनांक 17 एवं 18 सितम्बर, 2016 को आयोजन किया जा रहा है, जिसमें विशय विषेशज्ञों द्वारा सेब उत्पादन से सम्बन्धित नवीनतम तकनीकों पर प्रस्तुतिकरण प्रस्तुत किया जायेगा। मुझे यह जानकर भी प्रषन्नता है कि इस अवसर पर एक स्मारिका का प्रकाषन किया जा रहा है। उक्त स्मारिका में संगोश्ठी के दौरान सेब की उच्च गुणवत्तायुक्त पौध उत्पादन, संगोश्ठी में दिये जाने वाले सेब फलों की उच्चगुणवत्तायुक्त पौध उत्पादन, रोपण, प्रबन्धन, विपणन एवं प्रसंस्करण तकनीकों पर दिये जाने वाले व्याख्यानों को संकलित कर स्मारिका में प्रकाषित किया जा रहा है।

मुझे पूर्ण विष्वास है कि इस आयोजन से संगोश्ठी में दी जाने वाली जानकारी से कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले कास्तकारों एवं विभागीय अधिकारियों/कर्मचारियों को सेब उत्पादन, विपणन एवं प्रसंस्करण के क्षेत्र में विकसित नवीनतम तकनीकों की महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हो सकेगी, जो कि इस क्षेत्र के समग्र विकास में सहायक सिद्व होगा।

मैं इस संगोश्ठी एवं प्रदर्षनी के आयोजकों को कार्यक्रम की सफलता हेतु अपनी षुभकामनायें देता हूँ।

(शत्रुघ्न सिंह)

डा. रणबीर सिंह, आई.ए.एस.
Dr. Ranbir Singh, I.A.S.
अपर मुख्य सचिव,
Additional Chief Secretary
उद्यान विभाग,
Horticulture Department

उत्तराखण्ड शासन

उत्तराखण्ड सचिवालय
Uttarakhand Secretariat
4 सुभाष रोड, देहरादून
4, Subhash Road, Dehradun
Ph.: 0135-2712057 (O)
·0135-2712803 (F)

सन्देष

उत्तराखण्ड के किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने तथा यहॉ की अर्थव्यवस्था को सुधारने में कृशि एवं बागवानी का विषेश महत्व है। बागवानी फलों की निरन्तर बढ़ती मांग के सापेक्ष आपूर्ति को सुनिष्चित करने के लिये यह अत्यन्त आवष्यक है कि इन फलों के क्षेत्रफल में व्यापक स्तर पर विस्तार हो, उत्पादकता में वृद्धि हो तथा कम लाभदायी फलों के स्थान पर बागवानी फलों को प्रोत्साहन दिया जाये। उत्तराखण्ड राज्य में बागवानी क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिये निरन्तर अनुसंधान एवं इससे प्राप्त प्रौद्योगिकी का प्रकार, क्षेत्रफल विस्तार, तुड़ाई उपरान्त प्रबंधन, प्रसंस्करण और विपणन आदि को प्रोत्साहित किया जाना अति आवष्यक है, जिस हेतु राज्य में एकीकृत बागवानी मिषन योजना संचालित की जा रही है। वर्तमान में उत्तराखण्ड में औद्यानिकी विकास की समस्त योजनाएं ''क्लस्टर अवधारणा'' के आधार पर क्रियान्वित की जा रही हैं, जिससे अधिक मात्रा में फल विषेश का उत्पादन कर विपणन एवं प्रसंस्करण को बढ़ावा दिया जा सके ताकि अतिरिक्त रोजगार के अवसरों का सृजन कर पलायन को रोका जा सके तथा फलोत्पादन में भी वृद्धि से किसानों के जीवन स्तर में सुधार हो।

मुझे प्रसन्नता है कि उद्यान विभाग द्वारा राज्य बागवानी मिषन के अन्तर्गत षीतोश्ण फल सेब को प्रोत्साहित करने हेतु दो दिवसीय राश्ट्रीय संगोश्ठी एवं प्रदर्षनी का दिनांक 17 एवं 18 सितम्बर, 2016 को आयोजन किया जा रहा है, जिसमें प्रदेष एवं अन्य सेब उत्पादक प्रदेषों के प्रगतिषील कास्तकारों, विभागीय कार्मिकों, भारतीय कृशि अनुसंधान संस्थान व राज्य के कृशि/औद्यानिक विष्वविद्यालयों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है। साथ ही इस अवसर पर ''**स्मारिका**'' का भी प्रकाषन किया जा रहा है, जिसमें महत्वपूर्ण विशयों पर दिये जाने वाले व्याख्यानों का समावेष किया जायेगा।

मैं इस संगोश्ठी एवं प्रदर्षनी के सफल आयोजन की कामना करता हूॅं।

रणबीर

(डा0 रणवीर सिंह)

डा. एस. के. मल्होत्रा
कृषि एवं बागवानी आयुक्त

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
कृषि मंत्रालय
(कृषि एवं सहकारिता विभाग)
कृषि भवन, नई दिल्ली-110 001
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF AGRICULTURE
(DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPERATION)
KRISHI BHAWAN, NEW DELHI-110 001

सन्देश

मुझे यह जानकार हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि **उद्यान विभाग, उत्तराखण्ड** द्वारा **'राज्य बागवानी मिषन'** के अन्तर्गत 17 व 18 सितम्बर, 2016 को षीतोश्ण फल सेब को प्रोत्साहित करने हेतु दो दिवसीय राश्ट्रीय सेब महोत्सव (संगोश्ठी एवं प्रदर्षनी) का देहरादून में आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर आयोजित की जाने वाली प्रदर्षनी में सेब की विभिन्न प्रजातियों के साथ–साथ प्रसंस्कृत उत्पादों को भी प्रदर्षित किया जायेगा तथा संगोश्ठी में दिये जाने वाले व्याख्यानों के संकलन हेतु एक स्मारिका का भी प्रकाषन किया जा रहा है।

कृशि, सहकारिता एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा बागवानी के समग्र विकास हेतु सभी राज्यों में एकीकृत बागवानी मिषन योजना (डप्क्भ्) का क्रियान्वयन किया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत पर्वतीय राज्यों में अन्य षीतोश्ण फलों के साथ–साथ सेब भी सम्मिलित है। बदलते जलवायु परिवेष में यह राश्ट्रीय संगोश्ठी समसामयिक है।

मैं इस राश्ट्रीय संगोश्ठी एवं प्रदर्षनी की सफलता हेतु आयोजकों को षुभकामनायें देता हूँ।

सुरेश मल्होत्रा
14.9.16
(एस0के0 मल्होत्रा)

सन्देष

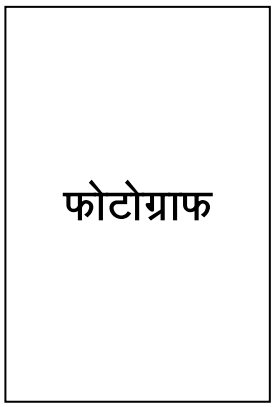

फोटोग्राफ

मुझे यह जानकार अत्यन्त हर्श हुआ है कि उत्तराखण्ड राज्य में **उद्यान विभाग, उत्तराखण्ड** द्वारा **'राज्य बागवानी मिषन'** के अन्तर्गत 17 व 18 सितम्बर, 2016 को षीतोश्ण फल सेब को प्रोत्साहित करने हेतु दो दिवसीय राश्ट्रीय सेब महोत्सव (संगोश्ठी एवं प्रदर्षनी) का देहरादून में आयोजन किया जा रहा है तथा इस अवसर पर एक स्मारिका का भी प्रकाषन किया जा रहा है, जिसमें संगोश्ठी में दिये जाने वाले व्याख्यानों का समावेष किया जायेगा।

भारत सरकार द्वारा औद्यानिकी के विकास हेतु सतत प्रयास किये जा रहे हैं। हिमालयी राज्यों में एकीकृत बागवानी मिषन योजना (डप्क्भ्) के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है।

मुझे विष्वास है कि राश्ट्रीय संगोश्ठी में विभिन्न प्रदेषों के अधिकारियों/वैज्ञानिकों द्वारा सेब की पौध रोपण सामग्री, उत्पादन, तुडाई उपरान्त प्रबन्धन, विपणन, प्रसंस्करण इत्यादि विशयों पर नवीनतम जानकारी प्रदान की जायेगी, जिससे देष में सेब के उत्पादन को एक नई दिषा प्राप्त होगी।

मैं इस राश्ट्रीय संगोश्ठी एवं प्रदर्षनी के आयोजकों को उनके सफल प्रयास हेतु षुभकामनायें देता हूँ।

(षकील अहमद)

टीकम सिंह पंवार
अपर सचिव
वैकल्पिक ऊर्जा एवं उद्यान विभाग,
उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड शासन

उत्तराखण्ड सचिवालय
Uttarakhand Secretariat
4, सुभाष मार्ग, देहरादून
4, Subhash Marg, Dehradun

सन्देष

मुझे प्रसन्नता है कि उद्यान विभाग द्वारा **"राज्य बागवानी मिषन"** के अन्तर्गत षीतोश्ण फल सेब को प्रोत्साहित करने हेतु दो दिवसीय राश्ट्रीय संगोश्ठी एवं प्रदर्षनी का दिनांक 17 एवं 18 सितम्बर, 2016 को आयोजन किया जा रहा है। उत्तराखण्ड राज्य की आर्थिक व्यवस्था में कृशि एवं बागवानी का विषेश योगदान है। वर्तमान में भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं के माध्यम से बागवानी फलों को विषेश बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे यहॉ के किसानों द्वारा किये जा रहे औद्यानिक उत्पादन में गुणात्मक सुधार आया है, जिसकी वजह से बागवानी फलों के उत्पादन में निजी क्षेत्र की भी भागीदारी बढ़ रही है तथा विभिन्न प्रजातियों के फल उत्पादकों को इन फलों की बिक्री करने से उनकी आय में लगातार वृद्धि हो रही है।

मुझे आषा ही नहीं अपितु पूर्ण विष्वास है कि सेब के उत्पादन, विपणन व प्रसंस्करण सम्बन्धी जानकारी से इस कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले औद्यानिकी से जुडे कृशकों एवं विभागीय अधिकारियों/कर्मचारियों को नवीनतम तकनीकों की महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हो सकेगी तथा इस अवसर पर सगोश्ठी में दिये जाने वाले व्याख्यानों का संकलन एक **"स्मारिका"** के रूप में प्रकाषित किया जा रहा है, जो कि प्रदेष के किसानों एवं विभागीय कार्मिकों के लिये अत्यन्त उपयोगी सिद्ध होगी।

मैं संगोश्ठी एवं प्रदर्षनी की सफलता की कामना करता हूँ।

(टीकम सिंह पंवार)

डा0 बी0एस0 नेगी
Dr. B.S. Negi

उत्तराखण्ड सरकार

निदेषक,
उद्यान एवं बागवानी मिषन,
उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग,
उत्तराखण्ड
राजकीय उद्यान, सर्किट हाउस, देहरादून
टेली/फैक्सः– 0135–2759799
ई–मेलः– उपेपवदीवतजपना/हउंपसण्बवउ

प्राक्कथन

भारत में सर्वप्रथम अंग्रेजों द्वारा सेब की बागवानी प्रारम्भ की गयी। उत्तराखण्ड (तत्कालीन उत्तर प्रदेश) में सेब की बागवानी कुमाऊ मण्डल के जनपद नैनीताल एवं अल्मोड़ा में सन् 1855 से प्रारम्भ हुई। इस कार्य में सफलता मिलने से सेब का क्षेत्रफल एवं उत्पादन बढ़ता गया तथा पौध सामग्री की मांग किसानों में बढ़ने लगी। किसानों की बढ़ती मांग की आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सन् 1869 में एक उद्यान की स्थापना की गयी, जिसे कुछ समय बाद सरकार ने अपने नियन्त्रण में ले लिया। सेब उत्पादन को प्रोत्साहन देने हेतु राज्य प्रशासन ने सन् 1932 में पर्वतीय फल शोध केन्द्र की स्थापना चौबटिया (अल्मोड़ा) में की, जो भारत का शीतोष्ण फलों में अनुसंधान करने वाला प्रथम केन्द्र था।

शीतोष्ण फलों के अन्तर्गत सेब भारत का सर्वाधिक महत्वपूर्ण फल है, जो कि वर्ष 2014–15 के आंकडों के अनुसार केला, आम, नीबूं वर्गीय फल, पपीता, अमरूद व अंगूर के पश्चात उत्पादन की दृष्टि से सातवें स्थान पर है और देश के कुल फल उत्पादन में लगभग 2.46 प्रतिशत योगदान देता है। वर्ष 2014–15 के आंकडों के अनुसार भारत में सेब के अन्तर्गत लगभग 3.19 लाख है0 क्षेत्रफल से 6.69 मै0टन/है0 औसत उत्पादकता के साथ 21.34 लाख मै0टन उत्पादन किया जा रहा है।

भारत का 98 प्रतिशत से अधिक सेब उत्तर–पश्चिमी पर्वतीय क्षेत्रों (जम्मू–कश्मीर, हिमांचल प्रदेश और उत्तराखण्ड राज्यों) में उत्पादित किया जाता है। अब इसके उत्पादन को उत्तर–पूर्वी क्षेत्रों में अरूणांचल प्रदेश, सिक्किम, नागालैण्ड और मेघालय तक तथा नीलगिरी के पर्वतीय क्षेत्रों में तमिलनाडु तक बढ़ा दिया गया है।

जम्मू–कश्मीर लगभग 1.60 लाख है0 क्षेत्रफल से देश के कुल सेब उत्पादन का लगभग 64 प्रतिशत उत्पादित करता है एवं हिमांचल प्रदेश लगभग 1.09 लाख है0 से लगभग 29 प्रतिशत उत्पादित करता है। उत्तराखण्ड राज्य में 34,685 है0 क्षेत्रफल से 1.06 लाख मै0टन उत्पादन करता है, जो कि देश के कुल सेब उत्पादन का मात्र 4.97 प्रतिशत है।

राज्य की भौगोलिक परिस्थितियॉ एवं जलवायु सेब उत्पादन हेतु अत्यन्त अनुकूल है, परन्तु मौसम की विपरीत परिस्थितियॉ जैसे– तापमान में अनियमित परिवर्तन से शीत आवश्यकता की पूर्ति न होना, अपर्याप्त वर्षा और पुष्पन एवं फल विकास के समय ओलावृष्टि के कारण बहुतायत में उत्पादन एवं उत्पादकता में कमी आ जाती है, जिससे कि राज्य के सेब उत्पादकों को आर्थिक असुरक्षा की भावना उत्पन्न हो जाती है।

सेब का उत्पादन राज्य के लगभग सभी पर्वतीय जनपदों में होता है, जिसमें जनपद उत्तरकाशी, नैनीताल, देहरादून, चमोली एवं अल्मोडा प्रमुख हैं। वर्तमान में राज्य में 34,685 है0 क्षेत्रफल में सेब की खेती की जा रही है, जिससे कि लगभग 1.06 लाख मै0टन उत्पादन प्राप्त हो रहा है। राज्य की उत्पादकता मात्र 3.06 मै0टन/है0 है, जो कि जम्मू कश्मीर की उत्पादकता 8.54 मै0टन/है0 एवं हिमाचल प्रदेश की उत्पादकता 5.71 मै0टन/है0 से बहुत कम है। अतः राज्य में सेब का उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने की आवश्यकता है। ग्लोबल वार्मिंग व जलवायु परिवर्तन के कारण समस्त सेब उत्पादक राज्यों में सेब की पैदावार घटती जा रही है, जिसको दृष्टिगत रखते हुए राज्य में प्रथम बार कृषकों व विभागीय अधिकारियों/कर्मचारियों को सेब से सम्बन्धित नवीनतम वैज्ञानिक तकनीक की जानकारी देने हेतु ''राष्ट्रीय सेब महोत्सवं'' का आयोजन दिनांक 17–18 सितम्बर, 2016 को किसान भवन, रिंग रोड़, देहरादून में किया जा रहा है, जिसमें अन्य राज्यों यथा– जम्मू–कश्मीर, हिमांचल प्रदेश, अरूणांचल प्रदेश के साथ–साथ उत्तराखण्ड के किसानों व अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है। संगोष्ठी के तकनीकी सत्र में कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, केन्द्रीय शीतोष्ण बागवानी संस्थान, श्रीनगर (जम्मू–कश्मीर), औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, अरूणांचल प्रदेश, राष्ट्रीय पादप आनुवांशिक संसाधन ब्यूरो, भवाली (नैनीताल), केन्द्रीय कटाई उपरान्त अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, अबोहर (पंजाब), राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड, भारत सरकार, हिमांचल प्रदेश एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी पालमपुर, हिमांचल प्रदेश, वाई0एस0 परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, सोलन (हिमांचल प्रदेश), भारतीय मृदा

एवं जल संरक्षण अनुसंस्थान संस्थान, देहरादून, उत्तराखण्ड औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, भरसार (पौड़ी), गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पन्तनगर (उधमसिंहनगर) के विशेषज्ञों/वैज्ञानिकों के साथ–साथ जम्मू कश्मीर, हिमांचल प्रदेश, अरूणांचल प्रदेश व उत्तराखण्ड के उद्यान विभाग के विभागीय अधिकारियों व विभिन्न सेब उत्पादक संघों के प्रतिनिधियों द्वारा सेब से सम्बन्धित विभिन्न विषयों यथा– पौधशाला प्रबन्धन, उत्पादन तकनीक, तुडाई उपरान्त प्रबन्धन, विपणन एवं प्रसंस्करण की विकसित नवीनतम तकनीक पर प्रस्तुतीकरण के माध्यम से व्याख्यान दिये जायेगें। साथ ही मै0 रजत निशान्त बायोटैक इण्डिया, विलासपुर, हिमाचल प्रदेश, इण्डो डच हॉर्टिकल्चर टैक्नोलॉजी, नैनीताल द्वारा पौध रोपण सामग्री में गुणात्मक वृद्धि पर अपना योगदान प्रस्तुत किया जायेगा, जिनका संकलन स्मारिका के रूप में किया जा रहा है।

राज्य में सेब को बढ़ावा देने हेतु प्रयास किये जा रहे हैं, जिसमें बागवानी मिशन योजना, राज्य सरकार द्वारा संचालित मिशन एप्पल एवं विभिन्न विभागीय योजनाओं (जिला एवं राज्य सैक्टर) के अन्तर्गत पौधशाला स्थापना, क्षेत्रफल विस्तार, निःशुल्क फल पौध वितरण किया जा रहा है। साथ ही सेब का न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित कर, उपार्जन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त सेब फलों की पैकिंग हेतु 50 प्रतिशत राजसहायता पर कृषकों को कोरोगेटेड बाक्स (एप्पिल ट्रे सहित) उपलब्ध कराये जा रहे हैं।

इस अवसर पर मैं माननीय मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड सरकार का हदृय से आभारी हूँ, जिन्होंने राज्य में विभिन्न औद्यानिक फसलों के उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु संगोष्ठियों एवं प्रदर्शनियों के आयोजन हेतु प्रेरणा प्रदान की है, जिसके क्रम में यह आयोजन सम्भव हुआ है। मैं माननीय उद्यानमंत्री, उत्तराखण्ड सरकार का भी विशेष रूप से आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके कुशल नेतृत्व एवं दिशा–निर्देशन में इस कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया जा रहा है।

मैं आदरणीय मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन, अपर मुख्य सचिव, उद्यान, उत्तराखण्ड शासन एवं अपर सचिव, उद्यान, उत्तराखण्ड शासन का उनके कुशल मार्ग दर्शन हेतु आभार प्रकट करता हूँ।

मैं कृषि मंत्रालय, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, भारत सरकार के संस्थानों, प्रदेश व प्रदेश के बाहर के कृषि/औद्यानिकी विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों/अधिकारियों को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ, जिनके द्वारा इस संगोष्ठी में तकनीकी व्याख्यान प्रस्तुत कर समस्त प्रतिभागियों को लाभान्वित किया जायेगा। मैं कृषकों, उद्यमियों एवं पंजीकृत फर्मो/कम्पनियों का भी हार्दिक धन्यवाद करता हूँ, जिन्होंने स्टॉल के माध्यम से अपने प्रदर्शों तथा नवीनतम तकनीकों का प्रदर्शन कर संगोष्ठी एवं प्रदर्शनी को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया है।

मैं अन्य राज्यों से प्रतिभाग करने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों/सेब उत्पादकों तथा उत्तराखण्ड राज्य से प्रतिभाग करने वाले सभी सेब उत्पादकों का हृदय से आभार प्रकट करता हूँ, जिनके सहयोग के बिना इस कार्यक्रम का आयोजन सम्भव नहीं था।

मैं प्रबन्ध निदेशक, राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उत्तराखण्ड औद्यानिक विपणन परिषद का भी आभार प्रकट करता हुँ, जिनके सहयोग से इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

मुझे आशा ही नहीं वरन् पूर्ण विश्वास है कि उत्तराखण्ड राज्य में इस प्रथम राष्ट्रीय सेब महोत्सव का आयोजन देश में सेब के उत्पादन व उत्पादकता में गुणात्मक वृद्वि करने में सहायक होगा।

दिनांकः 11 सितम्बर, 2016

(बी0एस0 नेगी)